

फरीदाबाद दर्शन

हिन्दी सासाहिक समाचार पत्र

वर्ष : ३१

अंक: १९

9650753026

9891990785

सम्पादक : शिवकुमार ओझा

faridabaddarshan@gmail.com

एक प्रति 1/- रुपया

शुक्रवार, 29 जून 2018

वार्षिक चन्दा डाक सहित 50/- रुपये

डाक रजि नं० L-2/Faridabad/313/2018-20

कालाधन पर जेटली हुए सख्त

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली ने चेतावनी दी कि स्विस बैंकों में अवैध रूप से धन जमा कराने वाले भारतीयों की पहचान छुपाना अब मुश्किल होगा और ऐसे लोगों पर कालाधन रोधी कानून के तहत सख्त दंडात्मक कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि अगले साल जनवरी से वहाँ भारतीयों के खातों के बारे में तत्काल स्विट्जरलैंड से सूचनाओं का मिलाना शुरू हो जाएगा। स्विस नेशनल बैंक के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार 2017 में भारतीयों द्वारा जमा कराए जाने वाले धन में 50% से अधिक की वृद्धि हुई है। इस दौरान भारतीयों का स्विस बैंक में 74000 करोड़ रुपये जमा था जबकि इससे पिछले लगातार तीन साल वहाँ भारतीयों की जमा में पिरावट दर्ज की गयी थी। जेटली ने अपने ब्लॉग में कहा कि आज एक खबर छपी है कि स्विस बैंकों में भारतीयों का धन बढ़ा है। इसकी वजह से कुछ हलकों से गलत जानकारी के आधार पर प्रतिक्रिया आयी और इसने सरकार के कालाधन रोधी कदमों के

पानी के संकट से जूझता फरीदाबाद शहर

फरीदाबाद, जून। ग्रेटर फरीदाबाद से बोस्टर पानी की सप्लाई फरीदाबाद के कई जगहों पर की जाती है, परन्तु पिछले कई माह से ये सप्लाई अनियमित रूप से चल रही है। ओल्ड फरीदाबाद स्थित बाबा फरीदपार्क से पानी की सप्लाई नई अग्रवाल सदन के पीछे वाली रोड पर होती है, परन्तु पिछले कई-कई महीनों से पानी की सप्लाई सुचारू रूप से नहीं हो रही। पानी की समस्या कई-कई दिनों तक बनी रहती है। दिन में पानी आता ही नहीं। अगर आता भी है तो सुबह और शाम केवल बूंद-बूंद पानी के दर्शन कर कर वापस चला जाता है। इस संदर्भ में पार्श्व महोदय भी व्यवस्था का सुचारू करने में असक्षम रहे हैं। इस समस्या के बारे में मन्त्री एवं अधिकारियों को

डाक टिकट की रोजगार मेले में 1800 युवाओं को मिली नौकरी

फरीदाबाद, जून। एनआईटी नेहरू ग्राउंड स्थित मुख्य डाकघर में पिछले कई माह से 25 पैसे वाला टिकट नदारद है। टिकट कर्मचारी से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कम्प्यूटर सिस्टम के ऑनलाइन प्रणाली में कमी बता कर अपना पल्ल झाड़ लिया। जैसा कि ज्ञात हो कि कुछ माह पूर्व सभी डाक विभाग के कम्प्यूटर सर्वरों में कुछ बदलाव किया गया था, परन्तु उस बदलाव में डाक टिकट का ना मिलना तर्कसंगत नहीं लगता है। 25 पैसे की टिकट ना मिलने से कई लोग परेशान हैं, जिसमें सर्वाधिक डाकपंजीयन के तहत आने वाले समाचार पत्र भी शामिल हैं। टिकट ना मिलने से समाचार पत्रों के आवागमन में भी परेशानी हो रही है। डाक विभाग इस ओर जल्द से जल्द सक्रियात्मक कार्यवाही कर टिकट उपलब्ध करायें।

डाकखाने में शौचालय की व्यवस्था गड़बड़ाई

फरीदाबाद, जून। फरीदाबाद के 4न० स्थित डाकखाना जहाँ पर सभी पत्रों की छठनी का कार्य किया जाता है, पर शौचालय की व्यवस्था गड़बड़ाई हुई है। कुछ समय पूर्व इस कार्यालय में शौचालय का निर्माण कार्य व्यवस्थित तरीके से कारबाया गया था, परन्तु आज इसी शौचालय में लोगों को पानी नहीं मिल पा रहा है। पानी ना होने के कारण शौचालय गंदा पड़ा रहता है। गंदगी के कारण और पानी ना होने के कारण स्त्री-पुरुष सभी को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कार्यालय के कर्मचारी भी इस परेशानी से काफी परेशान हैं। डाक विभाग के उच्चाधिकारियों से अपील की जाती है कि उपरोक्त जगह पर पानी की व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए।

फरीदाबाद। फरीदाबाद में किसी रोजगार मेले में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में युवाओं को नौकरी मिली है और हरियाणा भर में इसी तरह रोजगार मेले आयोजित होते रहेंगे। ये दावा उद्योग मंत्री विपुल गोयल ने मानव रचना एजन्सेशन इंस्टीट्यूट में दो दिवसीय रोजगार मेले के समापन पर व्यक्त किया। इस रोजगार मेले में 4000 युवाओं ने नौकरी के लिए आवेदन किया और इंटरव्यू दिए जिनमें से 1800 युवाओं को नौकरी मिली है।

इस रोजगार मेले में 18 क्षेत्रों की 100 से ज्यादा कंपनियों ने शिरकत की ओर युवाओं को 10,000 से लेकर 30,000 वेतन की नौकरी दी गई। रोजगार मेले में जेबीएम, विप्रो एपीवीआर, एक्सिस बैंक, बजाज कैपिटल, कार्वे, मुशूट ग्रुप, किंगडम ऑफ डीम्स, एजिस जैसी बड़ी कंपनियों ने युवाओं की बड़े स्तर पर भर्ती की। युवाओं को जॉब लेटर देने के साथ-साथ उद्योग मंत्री विपुल गोयल ने बड़ी संख्या में युवाओं को नौकरी देने वाले यौवागिक संस्थानों के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया।

बिजली विभाग में सीए की कमी

फरीदाबाद, जून। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम सैक्टर-19 डिवीजन के कार्यालय में पिछले कई माह से सीए पद रिक्त पड़ा हुआ है। ऐसे में बिलों को लेकर कई कार्य जो सीए द्वारा किये जाते हैं लंबित पड़े हुए हैं। विभाग में सीए की भूमिका अत्यधिक होने के कारण कार्यों की लेकर जनता काफी परेशान है। विभाग को स्वयं सीए की कमी के चलते कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विभागीय अधिकारियों से मांग की जाती है कि उपरोक्त पद पर जल्द से जल्द नियुक्ति की जाए ताकि उपरोक्तों को हो रही परेशानियों से बचाया जा सकें।

तुषार बंसल

9716291247

ॐ नमः शिवाय

9312390175

अथावाल पनीर

शुद्ध पनीर, मावा, धी, दही, मखबन, क्रीम दूध, सफल मटर आदि
नोट : नूडल्स, सोय चाप, दाल पिट्ठी भी मिलती है।

हमारे यहाँ शादी-पार्टी हेतु कोडिंग भी उपलब्ध है।

न्यू अहीरवाड़ा, नई अग्रवाल धर्मशाला के पीछे, ओल्ड फरीदाबाद (हरियाणा)

Chandiwale's

0129-4076622

GUPTA JEWELLERS

SHRI NARAIN PARSHAD BANWARI LAL AGGARWAL

HALL MARK JEWELLERY AVAILABLE
Gold & Silver Ornaments Dealer

6/322, MAIN BAZAR, OLD FARIDABAD

TATA TISCON
ULTRA - TECH - CEMENT
Authorised Dealer :
चॉंदी वाले

GUPTA PLYWOOD & STEELS

16/3 Mathura Road, (Near DPS School), Faridabad
Ph. : 0129-4040900, Mob. : 9953033333

मो 9811562574

9871345531

पं मुकेश शास्त्री ज्योतिर्विद

चेयरमैन मार्केट कमेटी, फरीदाबाद

श्री पाराशर ज्योतिष शोध संस्थान (सर्व समरया समाधान)

सागर रत्न केन्द्र (सभी प्रकार के असली नग)

म००० ५/११०, पुरानी अग्रवाल धर्मशाला के साथ

ओल्ड फरीदाबाद फेन: 0129-2263531

शुद्धता की एकमात्र दुकान बजाज स्वीट्स

★ स्पेशल नमकीन, पनीर के पकौड़े, मिक्स पकौड़े, समोसे, मसाला डोसा, चाउमीन, छोले भटूरे, ढोकला आदि

★ देशी धी द्वारा निर्मित पतीसा, डोडा-पिन्नी

★ स्पेशल गाजर का हल्लुआ, आटे के गोंद के लड्डू

★ दूध द्वारा निर्मित मिठाईयां, रसमिलाई, छैना रसगुल्ला,

प्लेन रसगुल्ला, छैना पाईज, छैना मुमुगी आदि

हमारे यहाँ पर कैटरिंग का कान उचित रेट पर किया जाता है।

मेन बाजार, ओल्ड फरीदाबाद

मो०: ०१२९-२२२०९४९, २२९६५६८

A.K.

WATCH

COMPANY

Auth. Dealer :
TITAN, TIMEX, HMT,
SONATA, CITIZEN,
MAXIMA WATCHES

Link Road,
Near Tail Mill,
Old Faridabad



विद्युत संकट का भूगोल

तरक्की को मापने के पैमाने हर युग में अलग-अलग रहे हैं। जब दुनिया भर में औद्योगिक क्रांति फैल रही थी, तो कोई देश कितनी तरक्की कर रहा है, यह इससे मापा जाता था कि वहाँ इस्पात की खपत कितनी है? आज के दौर में यह इससे नापा जाता है कि किस देश में ऊर्जा की प्रति व्यक्ति उपलब्धता और प्रति व्यक्ति मांग कितनी है? हमारे देश में इसकी मांग उपलब्धता से कहीं ज्यादा, और कहीं बहुत ज्यादा रही है। खासकर विद्युत ऊर्जा के मामले में, जिसे हम विद्युत संकट कहते हैं, वह और कूछ नहीं, मांग व उपलब्धता के इसी अंतर का नतीजा भर है। कोई भी संकट सिर्फ संकट नहीं होता, उससे बहुत सारी चीजें जुड़ जाती हैं। जैसे विद्युत संकट से जुड़ी हुई हैं परेषण और वितरण की हानि, पूरी व्यवस्था का भ्रष्टाचार और विद्युत चोरी की घटनाएं। संकट जितना गहरा होता है, ये सारी समस्याएं भी उतनी ही विकट हो जाती हैं। इस उपलब्धता, मांग के अंतर और इन सारी समस्याओं की एक और बात यह है कि ये पूरे देश में समान नहीं हैं। इस संकट का एक भूगोल भी है और यही सबसे ज्यादा परेशान करने वाली बात है। यह सिर्फ समस्या को नहीं, उत्तर और दक्षिण के बढ़ते अंतर को भी बताता है। यह भी बताता है कि विकास और मानव विकास सूचकांक की स्थिति हर जगह अलग-अलग क्यों है? इसी अंतर का एक दिलचस्प पहलू है विद्युत कटौती के आंकड़े। ऊर्जा मंत्रालय ने हाल ही में देश भर में होने वाली विद्युत कटौती के जो आंकड़े पेश किए हैं, उनसे यह अंदाज लगाया जा सकता है कि उत्तर और दक्षिण के राज्य विद्युत के मामले में भी दो अलग-अलग छोर पर वर्ते हैं। आध्र प्रदेश और तेलंगाना में एक महीने में सिर्फ साढ़े चार घंटे बिजली गुल रहती है, जबकि झारखण्ड में 96 घंटे यानी पूरे चार दिन। इस मामले में उत्तर प्रदेश और विहार अपने आप को झारखण्ड से बेहतर तो मान सकते हैं, लेकिन दक्षिण के राज्यों के मुकाबले वे काफी पीछे हैं। बिजली गुल होने के मामले भी दक्षिण के राज्यों में उत्तर के मुकाबले काफी कम हैं। अगर सिर्फ मई 2018 के आंकड़ों को ही लें, तो केरल में इस दौरान बिजली गुल होने की औसतन घटनाएं 1.8 थीं, जबकि उत्तर प्रदेश में ये 6.53 थीं, बिहार में 28, उत्तरखण्ड में 51, तो झारखण्ड में 93। लेकिन सबसे दिलचस्प हैं बिजली की चोरी के आंकड़े। दक्षिण के राज्यों में बिजली चोरी की घटनाएं उत्तर के राज्यों की तुलना में बहुत कम हो रही हैं। विद्युत के ये आंकड़े हमें तब मिले, जब इन दिनों उत्तर बनाम दक्षिण की एक ऐसी बेवजह बहस चल रही है, जिसकी हमें जरूरत नहीं है। विकास, शिक्षा और स्वास्थ्य के आंकड़ों के साथ यह बताया जा रहा है कि उत्तर के राज्य दक्षिण के राज्यों के मुकाबले कितने पिछड़े हैं। इसी के साथ आबादी के आंकड़े भी पेश किए जा रहे हैं, जिससे पता चलता है कि उत्तर के राज्य बढ़ती आबादी पर नियंत्रण के मामले में दक्षिण से कितना पीछे हैं। कई जगह इसी को उत्तर के पिछड़े पन का कारण भी बताया जा रहा है। ये आंकड़े ठीक हो सकते हैं, लेकिन यह बहस कहीं ले जाने वाली नहीं है। मूल बात यह है कि दक्षिण के राज्य जहाँ पहुंच गए हैं, वहाँ तक जाना उत्तर के राज्यों का पहला लक्ष्य बनना चाहिए। जरूरी है कि दक्षिण आगे बढ़ने के मामले में उत्तर की प्रेरणा बनें और फिर सारे राज्य मिलकर आगे जाने के लिए स्पर्धा करें। राज्य उत्तर के हों या दक्षिण के, सभी को अभी और आगे जाना है।

पोस्टर ब्वॉय की चिंता

विवादास्पद शराब व्यवसायी विजय माल्या ने देश के सार्वजनिक बैंकों से लिया गया नी हजार करोड़ रुपये का कर्ज उत्तरने की पेशकश की है। इसके लिए अपनी शराब कंपनी युनाइटेड ब्रेवरीज समेत अन्य संपत्तियां बेचने को तैयार हो गए हैं। इस खबर से हर भारतीय नागरिक को प्रसन्नता हुई होगी क्योंकि बैंकों में जमा पूँजी आम जनता की होती है, और इस भारी भरकम कर्ज के डूबने से देश को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। लेकिन यह सवाल अहम है कि बैंकों की कानूनी कार्रवाइयों के दौरान चोरी छिपे ब्रिटेन भाग जाने वाले इस शराब व्यवसायी का अचानक हृदय-परिवर्तन कैसे हो गया? दरअसल, पिछले सप्ताह प्रवर्तन निदेशालय ने विशेष अदालत से “भगोड़ा आर्थिक अपराधी अद्यादेश-2018” के तहत विजय माल्या को “भगोड़ा आर्थिक अपराधी” घोषित करने की मांग की है। इस नये कानून के तहत प्रवर्तन निदेशालय माल्या की करीब तेरह हजार पांच सौ करोड़ की संपत्ति जब्त करने की तैयारी में है। जाहिर है कि अपने खिलाफ कानून का वैकं कसता हुआ देखकर माल्या ने संपत्ति बेचकर बैंकों का कर्ज चुकाने का प्रस्ताव किया है। माल्या और नीरव मोदी की तरह अनेक ऐसे कारोबारी हैं, जिन्होंने बैंकों से लिया कर्ज लौटाया नहीं है। विष्क्षी पार्टीया माल्या और नीरव मोदी के सवाल पर जिस तरह से सरकार की धेराबंदी कर रही है, उससे जाहिर है कि आगामी दो हजार उन्नीस के लोक सभा चुनाव में एनपीए एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनेगा। इसीलिए केंद्र की भाजपा सरकार ने माल्या और नीरव मोदी जैसे मामलों में सख्त रुख अखिलयार किया है। माल्या के प्रत्यार्पण को लेकर भी सरकार सक्रिय है। हालांकि माल्या ने इस पूरे मामले में अपने को निदरेष साबित करने की पूरी कोशिश की है। संभव है कि उन्होंने जो आरोप लगाए हैं, उनमें कूछ सचाई भी हो, लेकिन न्यायिक प्रक्रिया का सामना करने के बजाय उन्होंने ब्रिटेन भाग जाने का फैसला किया। पर उनकी भगोड़े की छिप बनी तो इसके लिए वह स्वयं जिम्मेदार हैं। माल्या कर्ज वापस करने का कोई ठोस प्रस्ताव लेकर आते हैं, तो सरकार उनकी मदद कर सकती है। माल्या बैंकों का कर्ज लौटाने में सफल हो जाते हैं, तो यह एक मिसाल बन सकती है।

एपिक ने अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के अवसर पर उमीद इंडिया बुक की घोषणा की

मुंबई, जून। एपिक टीवी-भारत का एक माम्र हिंदी भाषीय, भारतीय इन्फोटेनमेंट चैनल हैं, उमीद इंडिया बुक के पहले संस्करण का



आधारित है जिसे प्रतीभाशाली क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग द्वारा होस्ट किया गया था। 23 जून को हर साल मनाए जाने वाला, अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक दिवस का लक्ष्य संपूर्ण विश्व में खेल में प्रतिभागिता के बढ़ावा देना है, लोगों को एक जुट करना है भले ही लोगों की आयु, लिंग कोई भी हो या उनमें खेलने की क्षमता कैसी भी हो। इस पहले को अधिक प्रभावी बनाते हुए, एपिक ने उमीद इंडिया के लिए एक दिवसीय प्रदर्शनी शेड्यूल की है। 2017 में प्रसारित हुये इस कार्यक्रम उमीद इंडिया ने ओलंपिक 2020 में सफल होने का लक्ष्य रखने वाले भारतीय खिलाड़ियों की अभूतपूर्व कहनियां दिखाई हैं। अक्रामक क्रिकेटर और टेलीविजन पर डेव्यूट करने वाले होस्ट वीरेंद्र सहवाग द्वारा प्रस्तुत, उमीद इंडिया देश भर में यात्रा करता है और 13 स्पोर्ट्स-सिटीजों के प्रेरणादायक सफर और संघर्ष को दर्शाता है, जिसमें शामिल हैं- प्रीस्टाइल रेसलर और अलंपिक मेडलिस्ट साक्षी मलिक, पैरा

ओलंपिक टैराक सुयश जाधव, शॉट-प्लेयर ओम प्रकाश करहाना, स्प्रिंटर दूती चंद, जूड़ोका अवतार सिंह, रेसलर विनेश फैगाट, रोअर दत्त भोकानल। बुक लॉन्च के अवसर पर वीरेंद्र सहवाग कहते हैं, मैं उमीद इंडिया बुक को लॉन्च करते हुए बहुत खुश हूं। इस शो का लक्ष्य स्पोर्ट्स् को आगे बढ़ाना है और ऐसे भारतीय स्पोर्ट्स्मेन के संघर्षों और उनकी उम्मीद विश्वास है कि बुक इस मिशन को आगे बढ़ाएगी और यह बुक उभरते स्पोर्ट्स्पर्सन्स् की पीढ़ीयों के लिए एक प्रेरणा होगी। इन विकास कार्यों पर टिप्पणी करते हुए, आदित्य पिट्टी, प्रबंधन निदेशक, एपिक टीवी ने कहा कि, एपिक पर हम ऐसी कहनियों को दिखाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो हम अपनी ओर से हर तरह की उपलब्ध मीडिया का उपयोग करके हमारे दर्शकों को दिखाते हैं, और पुस्तकों मूल कहानीकार होती हैं।

निशुल्क नेत्र जांच कैम्प लगाया गया

फरीदाबाद, जून। मानव जनहित एकता परिषद के द्वारा एलपिस कान्वेंट स्कूल जीवन नगर एल० आर० मदान व राजेश मदान का विशेष सहयोग रहा। कैम्प में मुख्य रूप से संजीव कुशवाहा, मनीष शर्मा, वीरेंद्र चावला, सुनील यादव, किशनजीत ढंग, सरदार मनजीत सिंह, राजेकुमार मामोरिया, मनोज पटेल, धर्मेंद्र पटेल, रोशन, अतुल, सचदेव राणा, प्रताप यादव, राकेश चंडालिया, सचिन तिवारी, दीपक कथूरिया आदि लोग उपस्थित थे।



बिजली आपूर्ति सही करने के लिए कैबिनेट मंत्री ने की बैठक

फरीदाबाद: विधानसभा में लगातार बिजली के लंबे कट लगने की शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने सेक्टर 17 स्थित अपने निवास पर दशिण हरियाणा विद्युत निगम और हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम के अधिकारियों के साथ अहम बैठक की। इस बैठक में विपुल गोयल ने निवेश दिया कि ओलंपिक फरीदाबाद और नहर पार के इलाकों में लग रहे लंबे कट पर लगाम लगाते हुए तमाम जरूरी कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि जन शिकायतों की अनदेखी किसी भी कीमत पर बर्दाशत नहीं की जाएगी और गर्मी और बरसात के मौसम में बिजली विभाग को अतिरिक्त सतर्कता बरतते हुए सभी जरूरी कदम उठाने होंगे।

साथ ही उद्योग मंत्री ने बिजली विभाग के अधिकारियों को नए नंबर जारी करने के भी आदेश दिए। इस बैठक में ट्रांसफर्मरों के चारों तरफ प्रिल लगाने के भी उल-जलूल बातों में न पड़कर प्रदेश के विकास की ओर ध्यान देना चाहिए। आज प्रदेश की जनता बिजली, पानी के लिए तरस रही है और मुख्यमंत्री एवं उनके मंत्री मजे कर रहे हैं। इस अवसर पर उनके साथ राजेन्द्र वैष्णव, धीरज पंडित, योगेश शर्मा, अभिषेक भड़ाना, कंवरपाल लोहिया आदि मौजूद थे।

उक्त नेताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री

अग्रवाल वैश्य समाज महिला इकाई की लोकसभा अध्यक्षा नियुक्त

फरीदाबाद, जून। क्षेत्र की प्रमुख समाजसेवी रीना अग्रवाल को अग्रवाल वैश्य समाज महिला इकाई की लो

सेक्टर-12 में धूम-धाम से मनाई गई संत कबीर दास जयन्ती

फरीदाबाद, जून। संत कबीर दास जयन्ती आज यहां हुडा कन्वेंशन सेन्टर में बड़ी धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारम्भ हरियाणा के उद्योग एवं पर्यावरण मंत्री विपुल गोयल ने दीप प्रज्ञवलित करके किया। उन्होंने कहा कि संत कबीर दास कला से परिपूर्ण हिन्दुस्तान की एक धरोहर रहे हैं। वे जुलाई का काम करते थे और पढ़े लिखे न होते हुए भी उन्होंने अपनी कविताओं और दोहों का साहित्य बना डाला। संत कबीर दास ने समाज में फैले रुद्धिवाद, जातिपाति भेदभाव, मूर्तिपूजा और अन्धविश्वास आदि कुलत्यां को जड़ से समाप्त किया और अपनी कविता और दोहों द्वारा उन्होंने जनजागरण का काम किया। उद्योग मंत्री ने कहा कि 500 साल बाद संत कबीर दास जयन्ती को प्रचारित करने का काम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया है। प्रधानमंत्री द्वारा रविदास एवं सूरदास व अम्बेडकर आदि संतों की रचनाओं को प्रचारित-प्रसारित कर समाज में महापुरुषों को श्रद्धांजलि देने का यह एक महान तरीका है। विपुल गोयल कबीर के दोहे का वर्णन किया कबीर खड़ा बाजार में, मांगे सबकी खैर, ना काहू से दोस्ती, ना काहू से बैर।



उन्होंने कहा कि इस संसार में आकर कबीर अपने जीवन में यही चाहते थे कि सबका भला हो और संसार में किसी से दोस्ती न हो तो दुश्मनी भी न हो। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी इन दोहों से प्रेरणा लेकर अपने जीवन को आत्मसात करें।

उन्होंने बताया कि हरियाणा के

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने परे प्रदेश को कबीर जयन्ती की शुभकामनाएं दी। आज पूरे प्रदेश के लगभग सभी जिलों में कबीर जयन्ती को मनाया गया। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि यदि हर आदमी कबीर के तीन तीन दोहों को अपने जीवन में उतार लें तो उनके जीवन में ज्ञान का अभाव कभी नहीं होगा। इस अवसर पर विपुल गोयल ने स्कूली बच्चों को उनके सांस्कृतिक कार्यक्रम व दोहों आदि के लिए 1100-1100 रुपये देकर सम्मानित किया। उन्होंने कबीर पंथ समाज के प्रचारक नाया को भी शॉल ओढ़कर सम्मानित किया। उपायुक्त अतुल कुमार द्विवेदी ने उद्योग मंत्री विपुल गोयल को स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल शर्मा ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। उन्होंने संत कबीर दास के बारे में बताया कि जब तक जीवन रहेगा वे हमारे लिए प्रेरणादायक रहेंगे। उन्होंने बताया कि संत कबीर दास ने आध्यात्म की सिद्धियां प्राप्त की थीं।

क्या है ब्लड ग्रप मिसमैच किडनी ट्रांसप्लांट संभव

फरीदाबाद। किडनी फेल होने पर परिवार में मैचिंग डोनर न मिलने पर किडनी ट्रांसप्लांट की दिक्कत परिवार को बेसहारा कर देती है, एक साल से कुछ ऐसा ही महसूस कर रहे थे

के किडनी ट्रांसप्लांट विभाग के डायरेक्टर डॉ रितेश शर्मा ने बताया कुछ साल पहले तक मिसमैच किडनी ट्रांसप्लांट नहीं होते थे लेकिन पिछले कुछ सालों से मिसमैच किडनी ट्रांसप्लांट अब दिल्ली एनसीआर में होने लगे हैं।

फरीदाबाद, जून। जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय सचिव युवा नियुक्ति परिवर्तन तंत्रज्ञान को अध्यात्मिक तकनीक के माध्यम से यह एंटीबौंडीज कम की जाती है लेकिन एशियन अस्पताल में इम्यूनोएप्जोरेशन की आधुनिक तकनीक के माध्यम से एंटीबौंडीज को नैगिटिव किया गया ऐसा करने से किडनी रिजेक्शन का रिस्क नहीं होता और शरीर अनसैच वाले ब्लड की किडनी को स्वीकार कर लेती हैं।

दिनेश गुप्ता और उनका परिवार! मिस उन्हें पता चला मिसमैच किडनी ट्रांसप्लांट के बारे में, बाबूजूद इसके उनकी पति को डायबीटीज होने के कारण वह ट्रांसप्लांट कराने में अस्मर्थ थे, छोटे भाई दिनेश की हालत देख बड़ी बहन कोमल गुप्ता ने उन्हें किडनी डोनेट करने का फैसला किया।

एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसिस

दिनेश गुप्ता और उनका परिवार! मिस उन्हें पता चला मिसमैच किडनी ट्रांसप्लांट के बारे में, बाबूजूद इसके उनकी पति को डायबीटीज होने के कारण वह ट्रांसप्लांट कराने में अस्मर्थ थे, छोटे भाई दिनेश की हालत देख बड़ी बहन कोमल गुप्ता ने उन्हें किडनी डोनेट करने का फैसला किया।

एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसिस

दिनेश गुप्ता और उनका परिवार! मिस उन्हें पता चला मिसमैच किडनी ट्रांसप्लांट के बारे में, बाबूजूद इसके उनकी पति को डायबीटीज होने के कारण वह ट्रांसप्लांट कराने में अस्मर्थ थे, छोटे भाई दिनेश की हालत देख बड़ी बहन कोमल गुप्ता ने उन्हें किडनी डोनेट करने का फैसला किया।

एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसिस

दिनेश गुप्ता और उनका परिवार! मिस उन्हें पता चला मिसमैच किडनी ट्रांसप्लांट के बारे में, बाबूजूद इसके उनकी पति को डायबीटीज होने के कारण वह ट्रांसप्लांट कराने में अस्मर्थ थे, छोटे भाई दिनेश की हालत देख बड़ी बहन कोमल गुप्ता ने उन्हें किडनी डोनेट करने का फैसला किया।

एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसिस

दिनेश गुप्ता और उनका परिवार! मिस उन्हें पता चला मिसमैच किडनी ट्रांसप्लांट के बारे में, बाबूजूद इसके उनकी पति को डायबीटीज होने के कारण वह ट्रांसप्लांट कराने में अस्मर्थ थे, छोटे भाई दिनेश की हालत देख बड़ी बहन कोमल गुप्ता ने उन्हें किडनी डोनेट करने का फैसला किया।

एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसिस

दिनेश गुप्ता और उनका परिवार! मिस उन्हें पता चला मिसमैच किडनी ट्रांसप्लांट के बारे में, बाबूजूद इसके उनकी पति को डायबीटीज होने के कारण वह ट्रांसप्लांट कराने में अस्मर्थ थे, छोटे भाई दिनेश की हालत देख बड़ी बहन कोमल गुप्ता ने उन्हें किडनी डोनेट करने का फैसला किया।

एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसिस

दिनेश गुप्ता और उनका परिवार! मिस उन्हें पता चला मिसमैच किडनी ट्रांसप्लांट के बारे में, बाबूजूद इसके उनकी पति को डायबीटीज होने के कारण वह ट्रांसप्लांट कराने में अस्मर्थ थे, छोटे भाई दिनेश की हालत देख बड़ी बहन कोमल गुप्ता ने उन्हें किडनी डोनेट करने का फैसला किया।

एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसिस

दिनेश गुप्ता और उनका परिवार! मिस उन्हें पता चला मिसमैच किडनी ट्रांसप्लांट के बारे में, बाबूजूद इसके उनकी पति को डायबीटीज होने के कारण वह ट्रांसप्लांट कराने में अस्मर्थ थे, छोटे भाई दिनेश की हालत देख बड़ी बहन कोमल गुप्ता ने उन्हें किडनी डोनेट करने का फैसला किया।

एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसिस

दिनेश गुप्ता और उनका परिवार! मिस उन्हें पता चला मिसमैच किडनी ट्रांसप्लांट के बारे में, बाबूजूद इसके उनकी पति को डायबीटीज होने के कारण वह ट्रांसप्लांट कराने में अस्मर्थ थे, छोटे भाई दिनेश की हालत देख बड़ी बहन कोमल गुप्ता ने उन्हें किडनी डोनेट करने का फैसला किया।

एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसिस

दिनेश गुप्ता और उनका परिवार! मिस उन्हें पता चला मिसमैच किडनी ट्रांसप्लांट के बारे में, बाबूजूद इसके उनकी पति को डायबीटीज होने के कारण वह ट्रांसप्लांट कराने में अस्मर्थ थे, छोटे भाई दिनेश की हालत देख बड़ी बहन कोमल गुप्ता ने उन्हें किडनी डोनेट करने का फैसला किया।

एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसिस

दिनेश गुप्ता और उनका परिवार! मिस उन्हें पता चला मिसमैच किडनी ट्रांसप्लांट के बारे में, बाबूजूद इसके उनकी पति को डायबीटीज होने के कारण वह ट्रांसप्लांट कराने में अस्मर्थ थे, छोटे भाई दिनेश की हालत देख बड़ी बहन कोमल गुप्ता ने उन्हें किडनी डोनेट करने का फैसला किया।

एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसिस

दिनेश गुप्ता और उनका परिवार! मिस उन्हें पता चला मिसमैच किडनी ट्रांसप्लांट के बारे में, बाबूजूद इसके उनकी पति को डायबीटीज होने के कारण वह ट्रांसप्लांट कराने में अस्मर्थ थे, छोटे भाई दिनेश की हालत देख बड़ी बहन कोमल गुप्ता ने उन्हें किडनी डोनेट करने का फैसला किया।

एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसिस

दिनेश गुप्ता और उनका परिवार! मिस उन्हें पता चला मिसमैच किडनी ट्रांसप्लांट के बारे में, बाबूजूद इसके उनकी पति को डायबीटीज होने के कारण वह ट्रांसप्लांट कराने में अस्मर्थ थे, छोटे भाई दिनेश की हालत देख बड़ी बहन कोमल गुप्ता ने उन्हें किडनी डोनेट करने का फैसला किया।

एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसिस

दिनेश गुप्ता और उनका परिवार! मिस उन्हें पता चला मिसमैच किडनी ट्रांसप्लांट के बारे में, बाबूजूद इसके उनकी पति को डायबीटीज होने के कारण वह ट्रांसप्लांट कराने में अस्मर्थ थे, छोटे भाई दिनेश की हालत देख बड़ी बहन कोमल गुप्ता ने उन्हें किडनी डोनेट करने का फैसला किया।

एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसिस

दिनेश गुप्ता और उनका परिवार! मिस उन्हें पता चला मिसमैच किडनी ट्रांसप्लांट के बारे में, बाबूजूद इसके उनकी पति को डायबीटीज होने के कारण वह ट्रांसप्लांट कराने में अस्मर्थ थे, छोटे भाई दिनेश की हालत देख बड़ी बहन कोमल गुप्ता ने उन्हें किडनी डोनेट करने का फैसला किया।

एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेड

